प्रेस विज्ञप्ति

गाँधी विद्या मन्दिर में आचार्यश्री महाश्रमण का आगमन

जीवन के सर्वांगीण विकास में शिक्षा महत्वपूर्ण है : आचार्य महाश्रमण

सरदारशहर 29.10.2010

आचार्यश्री महाश्रमण आज (29 अक्टूबर) प्रातः 7.30 बजे तेरापंथ भवन से विहार कर अपनी धवल सेना के साथ गाँधी विद्या मन्दिर जहाँ पर उनका संस्थाध्यक्ष, उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष सभी पदाधिकारियों, अधिकारियों, अध्यापकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों द्वारा भावभीना स्वागत किया गया।

स्थानी गांधी विद्या मन्दिर के राममंच (सोहन सभागार) में प्रवचन सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे पौराणिक ग्रंथों में शिक्षा के विकास तथा प्रचार प्रसार का स्पष्ट उल्लेख है तथा शिक्षा के विकास को एक धार्मिक स्वरुप माना गया है। उन्होने कहा कि जीवन के सर्वांगीण विकास में शिक्षा एक महत्वपूर्ण कारक होती है। आचार्य श्री ने उपस्थित विद्यार्थियों तथा धर्म प्रेमियों को संबांधित करते हुए कहा कि शिक्षा के विकास में अहंकार, क्रोध, प्रमाद,रोग तथा आलस्य बाधक का कार्य करते है। हमें चाहिए कि उन तत्वों से दूर रहते हुए शिक्षा के विकास में अपना योगदान करें।

आचार्य श्री ने गाँधी विद्या मन्दिर को शिक्षा की अलख जगाने हेतु तथा शिक्षा का सतत विकास करने वाली संस्था बताया और कहा कि आज प्रसन्नता है कि वो आज इस संस्था के परिसर में आये। उन्होंने कहा कि गांधी विद्या मंदिर की स्थापना से ही तेरापंथ आचार्य और गांधी विद्या मंदिर का विशेष संबंध रहा है। गाँधी विद्या मन्दिर की विकास यात्रा का जिक्र करते हुए उन्होंन कहा कि स्वामी श्री श्रीरामशरणजी महाराज के त्याग और तपस्या के परिणाम स्वरुप ही इस संस्था का निर्माण हुआ। उन्होने दिवंगत मिलापजी दूगड़ का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी कमी आज हमें खल रही है। मिलापजी ने संस्था व शिक्षा के लिए अपने आप को समर्पित कर दिया था ऐसे व्यक्ति समाज में बिरले ही होते है।

कार्यक्रम में साध्वी प्रमुखा कनक प्रभाजी ने अपने उदबोधन में कहा कि भारत मन्दिरों का देश हैं और मन्दिर मनुष्य की आस्था का प्रतीक होते है। इसी प्रकार गाँधी विद्या मन्दिर विद्या का मन्दिर अपने नाम के अनुरुप विद्या का ही मन्दिर है तथा दूगड़ परिवार ने प्रारम्भ से ही शिक्षा के प्रचार प्रसार व विकास का कार्य किया है। इसी परिवार के स्वर्गीय श्री भंवरलाल जी दूगड़ की योजना स्वरुप ही जैन विश्वभारती की संकल्पना को साकार किया गया है।

इससे पूर्व संस्थाध्यक्ष कनकमल दूगड़ ने आचार्यश्री, साध्वी प्रमुखा, संतसमाज एवं उपस्थित जनों का संस्था में भावभीना स्वागत करते हुए कहा कि गाँधी विद्या मन्दिर मानवीय मुल्य आधारित शिक्षा के विकास का कार्य करती है तथा यह भूमि ऋषि मुनीयों के त्याग व तपस्या से फलिभूत हुई है। उन्होन कहा कि आचार्यश्री महाश्रमण के पदाभिषेक कार्यक्रम आयोजित करने का गौरव संस्था को प्राप्त हुआ तथा आज आचार्यश्री के आगमन से हम अपने आप को धन्य मानते है।

आचार्यश्री के गाँधी विद्या मन्दिर में तीन दिवसीय प्रवास के कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी देते हुए संस्था के उपाध्यक्ष सम्पतमल नाहाटा ने कहा कि इन तीन दिनों में शैक्षणिक विकास सबंधी सेमिनार, अखिल भारतीय अणुव्रत गीत प्रतियोगिता व कन्या मण्डल द्वारा भी सेमिनार का आयेजन किया जायेगा। कार्यक्रम में उपस्थित जनों का आभार व्यक्त करते हुए संस्था कोषाध्यक्ष प्रकाश सेठिया ने कहा कि हमारे अनुनय विनय को स्वीकार करके आचार्यश्री ने हमें अनुग्रहीत किया है। आचार्यश्री के प्रवास के दौरान गाँधी विद्या मन्दिर परिसर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। इस अवसर पर चातुर्मास व्यवस्था समिति के महामंत्री रतन दूगड़ विशेष रूप से उपस्थित थे। समारोह में संस्था के विद्यार्थियों द्वारा स्वागत गीतिका प्रस्तुत की गई।